University in News on 29 January 2020

Dainik Jagran Page 9

लविवि : अब नए सिरे से होगी पीएचडी प्रवेश परीक्षा

कुलपति ने सभी डीन के साथ की बैठक कमेटी बनाने के निर्देश

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय बदलाव की दिशा में एक और कदम बढ़ाने जा रहा है। अगले सत्र में होने वाली पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए नए सिरे से ऑर्डिनेंस (नियमावली) तैयार किया जाएगा। साथ ही पीएचडी प्रवेश व्यवस्था को व्यापक बनाने के लिए देशभर में भी इसका प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अन्य राज्यों के छात्र भी पीएचडी के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय का रुख करें।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि सभी पुराने पाठ्यक्रम को च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के तहत अपडेट किया जा रहा है। नए शैक्षिक सत्र में नए ऑर्डिनेंस पर पीएचडी में दाखिले लिए जाएंगे। इसके लिए सभी डीन की कमेटी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें ऑर्डिनेंस तैयार करने के लिए निर्धारित समय

भी दिया गया है। ताकि जुलाई 2020 में होने वाली पीएचडी प्रवेश परीक्षा को नई नियमावली से कराया जा सके।

देशभर के संस्थानों को रिझाने पर जोर

: प्रो. राय का मानना है कि अगर विवि को शोध पत्र प्रकाशित करना है तो शोध छात्रों को मजबूत बनाना होगा। देशभर के शिक्षा संस्थानों के छात्र लविवि से पीएचडी की पढ़ाई करने का रुख करें, इसके लिए राष्ट्र के सभी विश्वविद्यालयों में पीएचडी का विज्ञापन भेजा जाएगा।

अभी तक 2200 आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी दाखिले को लेकर चल रही आवेदन प्रक्रिया में मंगलवार तक 2200 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें 1250 ने फीस जमा कर आवेदन प्रक्रिया पूरी कर ली है। अभ्यर्थी 6 फरवरी तक बिना लेट फीस के साथ और 10 फरवरी तक लेट फीस के साथ आवेदन कर सकेंगे।

इसके अलावा कुलाधिपति के माध्यम से भी अन्य राज्यों के विश्वविद्यालयों में भी पीएचडी प्रवेश परीक्षा का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस दिशा में किए जा रहे प्रयास में थोड़ी भी सफलता हासिल होती है तो वो विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। क्योंकि इससे लखनऊ विश्वविद्यालय को भी पूरे देश में ख्याति मिलेगी।

i-Next Page 5

प्रोफेशनल कोर्सेज के लिए प्लेसमेंट सेल जल्द

LUCKNOW (28 Jan, inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी में जल्द ही सभी प्रोफेशनल कोर्सेस के लिए अलग से प्लेसमेंट सेल बनेगा. यूनिवर्सिटी जल्द ही इसके लिए सभी विभागों के स्तर पर कार्यवाई शुरू करेगी. अभी तक यूनिवर्सिटी में छात्रों के प्लेसमेंट के लिए सेंट्रलाइज्ड प्लेसमेंट सेल है, जो सभी कोर्सेस के स्टूडेंट्स के प्लेसमेंट के लिए खासतौर पर तैयारी करता है, लेकिन इसका कोई खास असर दिखाई नहीं पड़ रहा हैं. ऐसे में एलयू के नए कुलसचिव विनोद कुमार सिंह ने बताया कि इसके लिए वीसी ने भी योजना बनाई है. हमारी प्राथमिकता रहेगी कि सभी विभागों की एक साथ अलग अगले प्लेसमेंट सेल बनाई जाए,

नौकरी दिलाने में आसानी होगी

यूनिवर्सिटी की कोशिश है कि सभी विभागों में उनके प्रोफेशनल कोर्सेस के लिए अलग-अलग प्लेसमेंट सेल बनाए जाएं. इससे सभी विभागों को प्राथमिकता भी मिलेगी. प्रत्येक विभाग की प्लेसमेंट सेल गठित होने से इन कोर्सेस के छात्रों को प्लेसमेंट मिलने में आसानी होगी. कुलसचिव ने बताया कि एलयू प्रशासन अभी विचार कर रहा है. अभी तक सेंट्रलाइज्ड प्लेसमेंट सेल के माध्यम सभी प्रोफेशनल कोर्सेस को सही से मौका नहीं मिल पाता था. ऐसे में कई बार कंपनियों के आने के बाद भी उनको योग्य कैंडीडेट्स नहीं मिल पाते थे, जिस कारण से प्लेसमेंट का रिकार्ड काफी खराब रह जाता है. अलग प्लेसमेंट सेल होने से विभाग उन्हीं छात्रों के अनुसार कंपनियों का चयन करने के साथ छात्रों को बराबरी का मौका मिलेगा.

यूनिवर्सिटी में प्लेसमेंट के लिए सेंट्रलाइज्ड प्लेसमेंट सेल है, जो सभी कोर्सेस के स्टूडेंट्स के प्लेसमेंट के लिए खासतौर पर तैयारी करता है.

लगता है साख पर धब्बा

नए कुलसचिव विनोद कुमार सिंह लखनऊ यूनिवर्सिटी में नई संभावनाओं को लेकर आए हैं. उन्होंने अपनी भावी योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि सबसे बड़ी जिम्मेदारी इस समय यूनिवर्सिटी में सकुशल तौर पर परीक्षा कराने की है. इसके साथ ही बच्चों को एक अच्छा वातावरण देना है. उन्होंने एलयू की साख पर उठे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हमेशा अपनी व्यक्तिगत और प्रोफेशनल जीवन को अलग रखना चाहिए. ऐसा न करने पर आप अपने साथ पूरे सिस्टम की साख पर धब्बा लगाते है. हम एलयू की प्रतिष्ठा को बरकरार रखेंगे, वीसी और सरकारी की बनाई योजनाओं के साथ मिलकर काम करेंगे. हमें जो जिम्मेदारी मिली है उसे निष्ठापूर्वक निभानी है. बच्चों को अच्छा वातावरण दिया जाए जिससे उनमें विश्वास पैदा हो.